7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 19 संस्करण : उत्तर प्रदेश | उत्तराखंड | हिमाचल | जम्मू-कश्मीर | दिल्ली | हरियाणा | पंजाब | चंडीगढ़

अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 6 फरवरी 2017

amarujala.com

एसआरएमएस का नाम इस्तेमाल कर चल रहा फर्जी ब्लड बैंक

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली।

एसआरएमएस की ब्लड बैंक का स्टीकर इस्तेमाल करके फर्जी ब्लड बैंक चलाने वाले मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। बीसलपुर रोड स्थित एक निजी अस्पताल से एक यूनिट ब्लड लेकर एसआरएमएस पहुंचे मरीज के पति की वजह से यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है। इस पर एसआरएमएस के चिकित्सा अधीक्षक बिग्रेडियर एसके हांडा ने सहायक आयुक्त(औषधि) खाद सुरक्षा एंव औषधि प्रशासन कार्यालय, मंडलायुक्त को पत्र लिखकर मामले की छानबीन कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

एक यूनिट ब्लड लेकर मरीज के पहुंचने पर खुला खेल

चिकित्सा अधीक्षक ने कहा है कि 26 जनवरी को उनके यहां सोमा वर्मा पत्नी राजेंद्र वर्मा निवासी ग्राम फाटक, फरीदपुर से अपना इलाज कराने को राममूर्ति स्मारक चिकित्सालय आईं थीं। उसके पास एक यूनिट ब्लड की थैली थी। पति राजेंद्र वर्मा ने बताया कि वह पत्नी को रूहेलखंड पुलिस चौकी के सामने न्यू श्री धनवन्तरि अस्पताल में इलाज को ले गया था। वहां डॉक्टरों ने खून की कमी बताकर इंतजाम करने को कह दिया। इसके बाद खुद को वहीं का स्टाफ बताने वाले एक व्यक्ति ने दस हजार रुपये लेकर उन्हें दो यूनिट ब्लड दिला दिया। एक यूनिट ब्लड चढ़ने के बाद उनकी पत्नी की हालत बिगड़ने लगी। इस पर वह पत्नी को एसआरएमएस ले आया। चिकित्सा अधीक्षक के मुताबिक राजेंद्र के पास एक यूनिट ब्लड भी थी। जिस पर एसआरएमएस के ब्लड बैंक का फर्जी स्टीकर लगा हुआ था। स्टीकर पर न तो सीरियल नंबर लिखा था और न ही किसी स्टाफ के हस्ताक्षर थे। यह रक्त उनके यहां की ब्लड बैंक से सप्लाई ही नहीं किया गया। उन्होंने पत्र में कहा कि कुछ लोग एसआरएमएस के ब्लड बैंक का अनाधिकृत रूप से इस्तेमाल कर रहे हैं। एसआरएमएस के चिकित्सा अधीक्षक के पत्र से खाद एंव औषधि प्रशासन विभाग में खलबली मची हुई है।